केरल हिन्दी प्रचार सभा, तिरुवनन्तपुरम

अगस्त 2011

साहित्याचार्य (प्रथम खण्ड) परीक्षा

(സാഹിത്യാചാര്യ (പ്രഥമ ഖണ്ഡം) പരീക്ഷ)

प्रश्नपत्र 3 (പത്രസംഖ്യ 3)

समयः 3 घंटे) (पूर्णांक : 100

I. भावों की अभिव्यक्ति केलिए मनुष्य के द्वारा काम में लाये जानेवाले साधनों में भाषा का क्या स्थान है? भाषा के विविध रूपों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए

अथवा

भाषा विज्ञान अन्य विज्ञानों से किन-किन बातों में भिन्न है? उसके अंगों का संक्षेप में परिचय दीजिए। 20

II. हिन्दी शब्द समूह का विभाजन किन-किन वर्गों में किया जाता है? उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

वर्तमान समय में भारत में प्रचलित लिपियों में देवनागरी लिपि का क्या स्थान है? देवनागरी लिपि की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए उसके सुधार के संबंध में अपने विचार स्पष्ट कीजिए। 20

III. काव्य के प्रयोजन पर प्रकाश डालते हुए काव्य के प्रमुख भेदों को समझाइए।

अथवा

व्यंजना शक्ति से क्या तात्पर्य है? व्यंजना शक्ति के मुख्य भेदों को उदाहरण सहित समझाइए। 15

Sahithyacharya - I

IV. नाटक के मुख्य तत्वों पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट कीजिए कि नाटक से एकांकी नाटक किन-किन बातों में भिन्न है।

अथवा

कहानी किसे कहते हैं? वह कथा और रेखाचित्र से किन-किन बातों में भिन्न है? संक्षेप में समझाइए। 15

V. काव्य रस से क्या तात्पर्य है? रसाभास से उसके अंतर को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

श्रृंगार या शांत रस के अवयवों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए। 10

VI. **निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं दो के लक्षण और उदाहरण प्रस्तुत कीजिए:-**

यमक, श्लेष, व्यतिरेक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति 10

अथवा

अलंकार निर्णय कीजिए:-

वे छाया थीं सुजनशिर की, शासिका थी खलों की
कंगालों की परम निधि थी, औषधि पीडितों की।
दीनों की थी भांगेनी, जननी थीं अनाश्रितों की
आराध्या थी व्रजअवनि की, प्रेमिका विश्व की थी।

VII. क) **निम्नलिखित छन्दों में से किन्हीं दो के लक्षण और उदाहरण प्रस्तुत कीजिए :-** 6

चौपाई, सोरठा, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, मालिनी

ख) **छन्द निर्णय कीजिए:-** 4

भू में रमी शरद की कमनीयता थी
नील अनंत नभ निर्मल हो गया था;
थी छा गई ककुभ में अमितासिताभा
उत्फुल्ल सी प्रकृति थी प्रतिभात होती।

Sahithya charya - I